

क्ष्णोत्रम् Ved. A grind-stone, whet-stone; क्ष्णोत्रेणैव स्वधितिं सं शिशीतम् Rv. 2. 39. 7.

क्ष्मा 1 The earth; (पुत्रं) क्ष्मां लम्भयित्वा क्षमयोपपन्नम् R. 18. 9; किं शेषस्य भरव्यथा न वपुषि क्ष्मां न क्षिपत्येष यत् Mu. 2. 18. -2 (In math.) The number 'one'. -**Comp.** -**जः** the planet Mars. -**पः**, -**पातिः**, -**भुज्** m. a king; कविक्ष्मापतिः Git. 1; देशानामुपरि क्ष्मापाः Pt. 1. 155. -**भृत्** m. a king or mountain, Bhāg. 10. 67. 7. -**वलयः**, -**यम्** the horizon. -**वृषः** a mighty king; Rāj. T. 5. 126.

क्ष्माय् 1 Ā. (क्ष्मायते, क्ष्मायित) To shake, tremble; चक्ष्माये च मही Bk. 14. 21; 17. 73.

क्ष्मील् 1 P. (क्ष्मीलति) To wink, close the eyelids.

क्ष्विड् 1 U. (क्ष्वेडति-ते, क्ष्वेष्ट or क्ष्वेडित) To hum, roar, whistle, growl, murmur, sound indistinctly; Ms. 4. 64.

क्ष्विड् 1 Ā., **क्ष्विद्** 4 P. 1 To be wet or unctuous. -2 To emit sap, or discharge juice, ichor &c., exude. With प्र to murmur, hum; निकुञ्जे तस्य वर्तित्वा रम्ये प्रक्ष्वेदिताः परम् Bk. 7. 103.

क्ष्विष्ण a. [क्ष्विद् - क P. III. 2. 187] 1 Sounded inarticulately. -2 Soft, unctuous, oily.

क्ष्वेड a. 1 Crooked, curved. -2 Wicked, depraved. -3 Difficult to be approached. -**डः** 1 Sound, noise. केचि-क्ष्वेडान्प्रकुर्वन्ति केचित्कूजन्ति हृष्टवत् Rām. 5. 62. 13. -2 Venom, poison; गुणदोषौ बुधो गूढान्निन्दुक्ष्वेडाविवेश्वरः। शिरसा श्लाघते पूर्वं परं कण्ठे नियच्छति ॥ Subhāṣ. -3 Moistening. -4 Abandonment. -5 An inarticulate sound. -**डा** 1 The roaring of a lion. -2 A war-cry, war-whoop; कृतक्ष्वेडारवोद्ग्राः समग्रा अपि निर्ययुः Śiva. B. 24. 20; 14. 14. -3 A bamboo.

क्ष्वेडनम् 1 Murmuring, hissing, whistling. -2 A hissing pronunciation; Mb. 4. 64.

क्ष्वेडितः 1 Humming, murmuring. -2 A growl, roar. -3 The roaring of a lion; जयारवक्ष्वेडितनादमूर्च्छितः Ki. 14. 29. -4 A battle-cry, war-whoop.

क्ष्वेल् 1 P. (क्ष्वेलति &c.) 1 To leap, jump. -2 To play. -3 To go, move. -4 To shake, tremble.

क्ष्वेला, **क्ष्वेलिका**, **क्ष्वेली**, **क्ष्वेलितम्**, **क्ष्वेल्यम्**, **क्ष्वेलनम्** Play, jest, joke; क्ष्वेलिकायां मां मृषा समाधिना Bhāg. 5. 8. 21; स्त्रीणां निरीक्षणस्पर्शसंलापक्ष्वेलनादिकम् Bhāg. 11. 17. 33.

॥ इति प्रथमो भागः ॥

